Rayat Shikshan Sanstha's

Mahatma PhuleMahavidyalay, Pimpri, Pune-17

DEPARTMENT OF HINDI(2021-22)

स्नातकोत्तर हिंदी (PG) पाठ्यचर्याओं की उपलब्धियाँ(Course Outcomes-COs)

Course Outcomes (Cos)–P.G.

Sr. No.	Class	Couse Code	Course Name	Course Outcome
1.	M.A. I (प्रथम अयन)	10501	पाठ्यचर्या -1 मध्ययुगीन काव्य	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO 1. हिंदी की मध्ययुगीन काव्यप्रवृत्तियों का परिचय प्राप्त करेंगे । CO 2. मध्ययुगीन काव्य के प्रतिनिधि कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे । CO 3. मध्ययुगीन काव्य की प्रासंगिकता(Relevance) समझ सकेंगे। CO 4. मध्ययुगीन काव्य की भाषाशैली से अवगत होंगे । CO 5. मध्ययुगीन काव्य के समीक्षा कौशल को विकसित कर पाएँगे । CO 6. मध्ययुगीन कवियों के दोहों और पदों की प्रस्तुति करने में सक्षम होंगे । CO 7.जीवनमूल्य हाँसिल कर सकेंगे ।
		10502	पाठ्यचर्या -2 कथासाहित्य	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO 1. गद्य की उपन्यास और कहानी विधा का तात्विक परिचय प्राप्त करेंगे । CO 2. छात्रों के उपन्यास और कहानी विधा की समीक्षा कौशल का विकास होगा । CO 3.साहित्यिक रचना का आस्वादन लेने की क्षमता विकसित होगी । CO 4. सृजनात्मक क्षमता का विकास संभव होगा ।

				CO 5. तुलनात्मक अध्ययन क्षमता में वृद्धि होगी । CO 6.आलोचनात्मक दृष्टि का विकास होगा । CO 7. जीवनमूल्य हाँसिल कर सकेंगे ।
		10503	पाठ्यचर्या -3 भारतीय काव्यशास्त्र	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO 1. काव्य और काव्यशास्त्र का विशेष परिचय प्राप्त करेंगे । CO 2. भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित होंगे । CO 3. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदायों /सिद्धांतों का विश्लेषण कर पाएँगे । CO 4. रचना वैशिष्ट्य और मूल्यबोध को परखने की क्षमता का विकास होगा । CO 5.आलोचनात्मक कौशल का विकास संभव होगा ।
		10504	पाठ्यचर्या -4 हिंदी पत्रकारिता	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO 1.हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र से परिचित होंगे । CO 2.पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे । CO 3.पत्रकारिता कौशल का विकास करने में सक्षम होंगे । CO 4.पत्रकारिता की भाषा सीखेंगे । CO 5.हिंदी भाषा और साहित्य के विकास में पत्र-पत्रिकओं का योगदान समझ सकेंगे ।
2	M.A. I (द्वतीय अयन)	20501	पाठ्यचर्या -5 कथेतर गद्य साहित्य	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO 1.व्यंग्य ,निबंध,रेखाचित्र और संस्मरण कथेतर साहित्य से परिचित होंगे । CO 2.कथेतर हिंदी साहित्य का तत्वगत अध्ययन करेंगे । CO 3.कथेतर हिंदी साहित्य की आलोचनात्मक

				दृष्टि विकसित करने की क्षमता रखेंगे । CO 4.कथेतर हिंदी साहित्य का भाषिक अध्ययन करेंगे । CO 5.मौलिक हिंदी लेखन कौशल प्राप्ति करेंगे । CO 6.कथेतर हिंदी साहित्य की प्रासंगिकता समझेंगे ।
		20502	पाठ्यचर्या -6 शोध प्रविधि	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO1. शोध प्रविधि से अवगत होंगे । CO2. शोध दृष्टि का विकास कर सकेंगे । CO3. नए शोध-प्रवाहों से परिचित होंगे । CO 4.शोध प्रक्रिया के विविध आयामों परिचय प्राप्त करेंगे । CO 5.शोध और आलोचना के अंतर को समझ सकेंगे । CO 6.शोध प्रबंध लेखन कौशल प्राप्त करेंगे । CO7. संदर्भ ग्रंथ सूची की पद्धतियों की जानकारी रखेंगे । CO 8.शोध प्रबंध टंकण में यूनिकोड का महत्त्व समझेंगे ।
		20503	पाठ्यचर्या -7 पाश्चात्य साहित्य शास्त्र	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO 1. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से अवगत होंगे । CO 2. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों से परिचित होंगे । CO 3. साहित्यशास्त्रीय समीक्षा कौशल हाँसिल कर सकेंगे । CO 4. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य-वैषम्य पहचान सकेंगे । CO 5.सृजन ,आस्वादन और आलोचना दृष्टि को विकसित करेंगे । CO 6.नई आलोचना प्रणाली कौशल (new criticism skills) कौशल हाँसिल करेंगे ।

		20505	पाठ्यचर्या -8 हिंदी उपन्यास साहित्य	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO 1.हिंदी उपन्यास साहित्य के विकासक्रम से परिचित होंगे । CO 2.पठित उपन्यासों का संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन करेंगे । CO 3.उपन्यास साहित्य के आस्वादन की क्षमता प्राप्त करेंगे । CO 4.उपन्यास साहित्य में प्रतिबिंबित जीवनमूल्यों का परिचय प्राप्त करेंगे । CO 5.उपन्यास मूल्यांकन कौशल हाँसिल करेंगे ।
3	M.A.II (तृतीय अयन)	30501	पाठ्यचर्या -9 आधुनिक काव्य (आदर्शवादी,छायावादी तथा अन्य काव्य)	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO 1.आधुनिक काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित होंगे । CO 2.आधुनिक काव्य समीक्षा कौशल हाँसिल करेंगे । CO3.आधुनिक काव्य का संवेदना एवं शिल्पगत अनुशीलन कर सकेंगे। CO 4.काव्य-सृजन कला का विकास करेंगे । CO 5.महाकाव्य एवं मुक्तक की अवधारणा समझेंगे ।
		30502	पाठ्यचर्या -10 भाषाविज्ञान	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO 1.भाषा विज्ञान के स्वरुप से परिचित होंगे । CO 2.भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाओं का परिचय प्राप्त करेंगे । CO 3. छात्रों को भाषा विज्ञान के अनुप्रयोगात्मक पक्ष का बोध होगा । CO 4.साहित्य अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता समझेंगे । CO 5.स्वनिम,रूपिम एवं वाक्य विज्ञान का अनुशीलन करेंगे ।

		30503	पाठ्यचर्या -11 हिंदी साहित्य का इतिहास	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO 1. हिंदी साहित्येतिहास लेखन से परिचत होंगे । CO 2. हिंदी साहित्येतिहास का कालविभाजन तथा नामकरण समझ सकेंगे। CO 3. आदिकालीन, भक्तिकालीन,रीतिकालीन प्रमुखसाहित्यिक प्रवृत्तियों,रचनाकारों और रचनाओं से परिचय प्राप्त करेंगे।
		30505	पाठ्यचर्या -12 वैकल्पिक –(ख) संचार माध्यम :सिद्धांत और स्वरूप	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO 1. संचार माध्यम और संप्रेषण की अवधारणाओं का परिचय प्राप्त करेंगे । CO 2. संचार माध्यम की अवधारणा और स्वरूप से परिचित होंगे । CO 3. संचार माध्यम की बहुआयामी भूमिका समझ पाएँगे । CO 4. संचार माध्यम कौशल विकसित कर सकेंगे ।
4	M.A.II (चतुर्थ अयन)	40501	पाठ्यचर्या -13 आधुनिक कविता	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO 1.आधुनिक कविता का संवेदना एवं शिल्प पक्ष विश्लेषित कर सकेंगे । CO 2.आधुनिक काव्य की समीक्षा दृष्टि को विकसित करेंगे । CO 3.सृजनात्मक कौशल प्राप्त करेंगे । CO 4.आधुनिक कविता की विविध विधाओं से परिचय । CO 5.छात्रों को आधुनिक कविता के विविध विमर्शों का बोध होगा ।
		40502	पाठ्यचर्या -14 हिंदी भाषा का	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO 1.हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय प्राप्त करेंगे । CO 2.आधुनिक आर्यभाषाओं से परिचित होंगे ।

			विकास	CO 3.हिंदी की स्वनिम व्यवस्था का अनुशीलन करने में सक्षम होंगे । CO 4.छात्रों को हिंदी की रूप रचना का बोध होगा । CO 5.हिंदी भाषा के संरचनात्मक कौशल को विकसित कर सकेंगे ।
		40503	पाठ्यचर्या -15 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO 1. हिंदी गद्य के उद्भव और विकास से अवगत होंगे । CO 2. द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता के प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों से परिचित होंगे । CO 3. द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता के प्रमुख रचनाकारों से परिचित होंगे । CO 4. द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता के प्रमुख साहित्यिक रचनाओं से परिचित होंगे । CO 5. ऐतिहासिक दृष्टि का विकास करने में सक्षम होंगे ।
		40505	पाठ्यचर्या -16 वैकल्पिक –(ख) भारतीय साहित्य	**प्रस्तुत पाठ्यचर्या पूर्ण करने के उपरांत छात्र -** CO 1. भारतीय साहित्य का परिचय प्राप्त करेंगे । CO 2. भारतीय साहित्य की अवधारणा समझ सकेंगे । CO 3. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ सुलझा सकेंगे । CO 4. भारतीयता का समाजशास्त्र समझेंगे ।